ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

तुम कब जाओगे, अतिथि

कक्षा - नवी

विषय – हिंदी
पाठ : ५
पाठ का नाम : तुम कब जाओगे, अतिथि

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

प्रश्न अभ्यास

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 – 30 शब्दों में लिखिए-

प्रश्न 1 - लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?
उत्तर - लेखक चाहता था कि अतिथि दूसरे दिन ही चला जाता तो अच्छा होता। फिर वह अतिथि को भावभीनी विदाई देता। वह अतिथि को स्टेशन तक छोड़ने भी जाता। परन्तु जब अतिथि पाँचवे दिन भी नहीं गया तो लेखक की उम्मीदें धरी की धरी रह गई।

प्रश्न 2 - पाठ में आए निम्नलिखित कथनों की व्याख्या कीजिए –

(क) अंदर ही अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया।
उत्तर - यह प्रसंग तब का है जब अतिथि का आगमन हुआ था। अतिथि के आने से उसके स्वागत सत्कार के खर्चे बढ़ जाते हैं। इससे एक मध्यम वर्गीय परिवार का पूरा बजट बिगड़ सकता है। इसलिए लेखक उस अनावश्यक खर्चे को लेकर चिंतित हो रहा था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(ख) अतिथि सदैव देवता नहीं होता, वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है।
उत्तर - एक कहावत है, “अतिथि देवो भव”। इसका मतलब होता है कि अतिथि देवता के समान होता है। लेकिन जब लेखक के अतिथि ने तीसरे दिन कपड़े धुलवाने के बहाने यह इशारा कर दिया कि वह अभी और दिन रुकेगा तो लेखक की समझ में आया कि अतिथि हमेशा देवता नहीं होता। लेखक को लगने लगा कि अतिथि एक मानव होता है जिसमें राक्षस की प्रवृत्ति भी दिखाई देती है। इसी राक्षसी प्रवृत्ति के कारण अतिथि लंबे समय तक टिक जाता है और अलग-अलग तरीकों से मेजबान को दुखी करता रहता है।

(ग) लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़ें।
उत्तर - लेखक का अतिथि ऐसा व्यक्ति है जिसे दूसरे का घर बड़ा अच्छा लगता है। दूसरे के घर ठहरने पर एक व्यक्ति खर्चे जोड़ने की चिंता से मुक्त रहता है और अपनी सारी परेशानियों को भूलकर आतिथ्य का आनंद लेता है। लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इससे मेजबान के सुखी जीवन में खलल पड़ने लगता है। इसलिए लेखक का मानना है कि अपने घर की मधुरता का आनंद लेना चाहिए लेकिन किसी दूसरे के घर की सुख शांति में खलल नहीं डालना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(घ) मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी।
उत्तर - लेखक को उम्मीद है कि जब पाँचवे दिन का सूर्य निकलेगा तो वह अतिथि को इस बात के लिए जागृत कर देगा कि वह अपने घर वापस चला जाए। अन्यथा उस दिन लेखक की सहनशीलता टूट जाएगी। उसके बाद लेखक को मजबूरन अतिथि से जाने के लिए कहना पड़ेगा।

(ङ) एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते।
उत्तर - लेखक मन ही मन अतिथि से कहना चाहता है कि अतिथि और मेजबान अधिक दिनों तक साथ नहीं रह सकते। भगवान भी दर्शन देने के फौरन बाद चला जाता है। गणपति की पूजा में ग्यारह दिन के बाद गणपति का विसर्जन कर दिया जाता है। इसलिए अतिथी रूपी देवता को भी अधिक दिनों तक नहीं रुकना चाहिए।
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए-
प्रश्न 1 - कौन सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर - तीसरे दिन सुबह जब अतिथि ने कपड़े धुलवाने की बात की तो उसने परोक्ष रूप से यह बतला दिया कि वह इतनी आसानी से जाने वाला नहीं। यह आघात लेखक के लिए अप्रत्याशित था। उस समय लेखक की समझ में आया कि अतिथि सदैव देवता नहीं होता, बल्कि एक इंसान होता है जिसमें राक्षस के भी अंश होते हैं। वह अतिथि ऐसे राक्षस की तरह बरताव करने लगा था जिससे मेहमान को असह्य पीड़ा होने लगे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न 2 - 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुजरना' – इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर - इस पंक्ति का मतलब है कि संबंधों के अच्छे दौर समाप्त हो गये हैं और लोग किसी तरह से संबंधों को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं। लेखक और उसके अतिथि के बीच पहले दिन तो बड़े उल्लासपूर्ण माहौल में बातचीत चलती रही। उन दोनों ने लगभग हर उस विषय पर बातचीत कर ली जिन पर बातचीत की जा सकती थी। लेखक ने अतिथि के सत्कार में कोई कमी नहीं छोड़ी। लेकिन जब अतिथि के प्रवास की अवधि खिंचती चली गई तो फिर लेखक उसके बोझे को ढ़ो रहा था। अब स्थिति ये हो गई थी कि मेजबान बस इस इंतजार में था कि अतिथि किसी तरह से उसका पीछा छोड़ दे।

प्रश्न 3 - जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर - जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में कई बदलाव आए। अब उसने अतिथि से बातचीत करना लगभग बंद कर दिया। उसकी पत्नी ने अच्छे खाने की जगह खिचड़ी परोसना शुरु कर दिया। दोनों पति पत्नी मन ही मन खिन्न हो रहे थे और भगवान से उस अतिथि के जाने की दुआ माँग रहे थे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भाषा-अध्ययन

प्रश्न 1.- निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए-

चाँद
ज़िक्र
आघात
ऊष्मा
अंतरंग

उत्तर-
चाँद – शशि, राकेश
जिक्र – वर्णन, कथन
आघात – चोट, प्रहार ऊष्मा
ऊष्मा – ताप, गरमाहट
अंतरंग – घनिष्ठ, नजदीकी

प्रश्न 2.-निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए-

1. हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने जाएँगे। (नकारात्मक वाक्य)
2. किसी लॉण्ड्री पर दे देते हैं, जल्दी धुल जाएँगे। (प्रश्नवाचक वाक्य)
3. सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। (भविष्यत् काल)
4. इनके कपड़े देने हैं। (स्थानसूचक प्रश्नवाची)
5. कब तक टिकेंगे ये? (नकारात्मक)

उत्तर-

1. हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने नहीं जाएँगे।
2. किसी लॉण्ड्री पर दे देने पर क्या जल्दी धुल जाएँगे।
3. सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो जाएगी।
4. इनके कपड़े कहाँ देने हैं?
5. कब तक नहीं टिकेंगे ये?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow